VISION IAS

www.visionias.in

SUBJECT:	ESSAY	Test Code:	2	1	2	1		
Name of Candidate	Pooja Meena							
Medium Hindi/Eng.	Hindi Medium	Registration Number	1	5	4	3	5	0
Center	online	Date	1	5	0	7	2	2

INDEX TABLE

Q. No.	Page No.	Maximum Marks	Marks Obtained

Total Marks Obtained:

Remarks :

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. All questions are compulsory.
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
4. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
5. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
6. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

'खंड-अ'

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

[आप बंद मुट्ठी से हाथ नहीं मिला सकते हैं]

कक्षा-6 के नैतिक शिक्षा के पीरियड में शिक्षिका द्वारा बच्चों को 'सहभागिता व बहुपक्षीय संबंध' का पाठ पढ़ा रही है। शिक्षिका कक्षा के कुछ बच्चों से कहती है कि अपनी मुट्ठी बंद करें एवं दूसरे बच्चों के साथ हाथ मिलाएं। बच्चे हाथ मिलाने में असमर्थ रहते हैं और बच्चों के समूह में से कुछ बंद मुट्ठी वाले बच्चे बल-शक्ति प्रदर्शन का कृत्य करते हुए प्रतीत होते हैं।

उपर्युक्त प्रैक्टिकल करवाने के बाद शिक्षिका बच्चों से कहती है कि जिस प्रकार बंद मुट्ठी से हाथ मिलाने में मुश्किल होती है, उसी प्रकार व्यक्तिगत संकीर्णता, बल-प्रयोग एवं एकपक्षीय व्यवहार स्थापित नहीं किया जा सकता। सहभागिता एवं सहयोग-पूर्ण व्यवहार एवं संबंधों की स्थापना हेतु द्वि-पक्षीय

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रयासों की आवश्यकता होती है।

निबंध की भूमिका में शीर्षक के मर्म को समझाने के बाद, आगामी खंडों में बंद मुट्ठी के क्या-2 अभिप्राय हो सकते हैं? बंद मुट्ठी से हाथ क्यों नहीं मिला सकते? हाथ मिलाने हेतु कौन-कौन सी पूर्वापेक्षाएँ आवश्यक हैं? और इन पूर्वापेक्षाओं की पूर्ति कैसे सम्भव है? इत्यादि भिन्न-भिन्न पक्षों पर विचार किया जाएगा।

सर्वप्रथम बंद मुट्ठी से क्या अभिप्राय है। बंद मुट्ठी से भिन्न-भिन्न अर्थ लिए जा सकते हैं। शाब्दिक अर्थ में यह एक बंद एवं गोपनीय संस्कृति की ओर इशारा करता है। बंद मुट्ठी से तात्पर्य ऐसा कुछ जो हम सामने वाले को दिखाना नहीं चाहते। इसी गोपनीय संस्कृति

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

से व्यक्तिवादी व स्वार्थवादी धारणा की उत्पत्ति होती है। इसके अतिरिक्त बंद-मुट्ठी से तात्पर्य बल-प्रयोग व शक्ति का प्रतीक भी माना जा सकता है, जो स्वयं को बल-शाली समझ सामने वाले के साथ सामंजस्य का भाव नहीं रखता।

बंद मुट्ठी के शक्ति के प्रतीक व गोपनीय संदर्भ में अर्थों को जानने के बाद इसके अगले भाग को समझने में आसानी होगी कि कैसे बंद मुट्ठी से हाथ मिलाना संभव नहीं हो पाता।

बंद मुट्ठी से गोपनीयता या व्यक्तिवाद का अर्थ समझने पर व्यक्ति/समाज/राष्ट्र संरक्षणवादी व्यवस्था के पक्षधर रहता है और सहभागिता के समर्थन में नहीं रहता। व्यक्तिगत स्तर पर देखें तो जिस व्यक्ति में सहयोग व सहभागिता की भावना में विश्वास

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

नहीं किया उसका समाज के साथ सामंजस्य स्थापित नहीं हो पाया। फलस्वरूप संघर्ष की स्थिति उत्पन्न हुई; आतंकवादी, नक्सली अन्य असामाजिक तत्वों के रूप में उत्पत्ति देखने को मिलती है। (जैसे होमो सिपेंसराविलस का नाश)

व्यक्तिगत स्तर के बाद सामाजिक स्तर पर यदि देखें तो इतिहास से लेकर वर्तमान की स्थितियों का अवलोकन कर इसे समझा जा सकता है। जिन समाजों ने अन्य समाजों के साथ सहयोग व संघर्ष हेतु मना किया। अपनी संस्कृति को स्वयं तक सीमित रख बल-प्रयोग किया वे आगे तक प्रगति नहीं कर पाई। 'युवाल नोआ हरारी' ने अपनी पुस्तक 'होमो सेपियन्स' में इसका संदर्भ दिया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

वर्तमान के समाज में भी जो समाज अन्य समाजों के साथ एवं सदस्यों के साथ तालमेल स्थापित नहीं कर पाता तदनुरूप असामाजिक परिस्थितियाँ व घटनाएँ देखने को मिलती है। उदाहरणार्थ बहुसंख्यकों द्वारा अल्पसंख्यकों के साथ सहभागीपूर्ण व्यवहार के स्थान पर संघर्ष, अमेरिका में श्वेत-अश्वेत का मुद्दा, यूरोप में गैर-यूरोपीयों का मुद्दा या विकासशील देशों में धर्म-विशेष के सम्प्रदायों के मध्य संघर्ष। इसी सहभागीपूर्ण व्यवहार के अभाव का परिणाम है।

सामाजिक स्तर पर देखने के बाद हम पाते हैं कि राजनीतिक एवं आर्थिक स्तर पर भी ऐसी परिस्थितियाँ देखने को मिलती है। विभिन्न प्रकार की भू-राजनीतिक समस्याएँ यथा सीमा-विवाद शरणार्थियों की समस्या, विचारधारा के स्तर पर 'कोल्ड वार' इत्यादि इसी का परिणाम है कि एक विशेष

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

विचारधारा के समुदायों / देशों ने अन्य भिन्न विचारधारा के देशों के साथ मतभेदों के चलते सहयोगी व सहभागी संबंध नहीं अपनाया।

आर्थिक स्तर पर (टैरिफ वॉर) करेन्सी वॉर, निर्यात / आयात पर प्रतिबंध जैसी घटनाएँ यही प्रदर्शित करती है कि किसी विशेष के हितों की पूर्ति हेतु अन्य से समझौता नहीं किया जा सकता है।

विभिन्न स्तरों के बाद पर्यावरणीय स्तर पर इसका अर्थ समझने के बाद हम इसके खंड पर जाएंगे। जिसमें देखा जाएगा कि बंद मुट्ठी से लाख क्यों नहीं मिल पाते? इससे पहले पर्यावरणीय स्तर संघर्ष का ही परिणाम रहा कि सभी संसाधनों से अपनी उपभोक्तावादी, भौतिकतावादी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हितों की अंधाधुंध पूर्ति की। पर्यावरण निम्नीकरण, वैश्विक तापन जैसी समस्याएँ देखने को मिली। सतत व संधारणीय विकास की उपेक्षा की गई।

बंद मुट्ठी से हाथ इसलिए नहीं मिला सकते क्योंकि हाथ मिलाना, किसी समझौते, सहभागिता एवं सहयोग का प्रतीक माना जाता है। समझौता सहभागिता व सहयोग द्विपक्षीय क्रिया है। बंद मुट्ठी एकपक्षीय व एकतरफा दृष्टिकोण की ओर अधिक झुका हुआ है। अतः हाथ मिलाने या समझौते के लिए बहुआयामी एवं बहुपक्षीय सामंजस्य की जरूरत होती है।

इसी धारा को आगे बढ़ाते हुए हम अगले खंड; कि हाथ मिलाने या सहयोग हेतु कौन सी प्रागपेक्षाएँ एवं पूर्वमान्यताओं का होना जरूरी है; के बारे में चर्चा करेंगे।

साथ ही इस पक्ष पर भी विवरण देगा कि वे कौन-कौन से प्रयत्न हैं जिनकी सहायता से शान्ति का प्रतीक रूपी व्यक्तिवादी रूपी मुट्ठी को खोला जा सके।

समझौतावादी प्रवृत्ति के विकास हेतु सर्वप्रथम व्यक्तिगत स्तर पर प्रयास किया जाना चाहिए। 'रूसो' के अनुसार मानव स्वभावतः सहभागी प्रवृत्ति युक्त है। बाह्य दबावों के चलते वह संकीर्ण विचारधारा का अनुपालन करना शुरू कर देता है। अतः समाजीकरण की प्रक्रिया में परिवार समाज, शिक्षण संस्थानों की सहायता से सहभागितापूर्ण प्रवृत्ति को पुनर्जागृत किया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सामाजिक स्तर पर सांस्कृतिक सद्भाव, मेलजोल, नैतिक मूल्यों का शिक्षा प्रणाली में समावेशन कर प्राप्ति की जा सकती है। भारतीय समाज एवं संस्कृति 'विविधता में एकता', सहिष्णु प्रकृति की मानी जाती है किन्तु असामाजिक तत्वों एवं समस्याओं के चलते, मूल स्वरूप विश्रृंखल हो जाता है। अतः सामूहिक प्रयासों, नागरिक समाज को नैतिक व आध्यात्मिक दृष्टि से मजबूत बनाया जाना चाहिए।

समाज के स्तर पर पर्यावरणीय मूल्यों व नैतिकता को विकसित कर संधारणीय व सतत विकास की प्राप्ति की जा सकेगी। इस प्रकार राष्ट्रीय प्रयासों की सहायता से अन्तर्राष्ट्रीय नैतिकता व मूल्यों का विकास कर शरणार्थियों एवं प्रवासन संबंधी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

समस्याएँ सुलझाई जा सकेगी।

उपर्युक्त सभी पक्षों पर चर्चा करने के बाद वर्तमान परिदृश्य में इस विचार की व्याख्या अपेक्षित है। व्यक्तिवादी व संकीर्णवादी प्रवृत्ति के चलते इस डिजिटल युग में मनुष्य वैचारिक व सामाजिक दोनों स्तर ध्रुवीकृत होता जा रहा है।

डॉक्यूमेंटरी 'सोशल डाइलमा' में बताया गया कि कैसे समाज विश्रृंखलित होता जा रहा है। तकनीकी व कोविड-19 की महामारी की 'जुगल-जोड़ी' ने इस कोढ़ से घाव को नासूर बना दिया।

उपभोक्तावादी व भौतिकवादी प्रवृत्ति ने मनुष्य व समाजों को इतना

संकीर्ण कर दिया कि वे जानना तक नहीं चाहते कि आखिर में समाज में चल क्या रहा है? हॉलीवुड फिल्म 'डॉन्ट लुक अप' इसका बेहतर उदाहरण मानी जा सकती है।

उपर्युक्त प्रकार की समस्याओं को देखकर निराशावाद में डूबने की आवश्यकता नहीं। समाज का एक वर्ग-विशेष सदा से अपने दोनों हाथों को खोल कर समाज की उन्नति व प्रगति में अग्रसर रहा। महात्मा गाँधी, मार्टिन लूथर किंग, नेल्सन मंडेला, डॉ. अंबेडकर, तुलसी गौड़ा इत्यादि व्यक्तित्व ने सदैव पृथ्वी पर हाथ से हाथ मिलाने की प्रवृत्ति को आगे बढ़ाया।

प्रश्न उठता है कि क्या वैश्व बुद्धी हमेशा ही यही अर्थ लिए रहेगी? कालिदास से दरबार में जब पृथ्वी के निर्माण के बारे में पूछा गया तो उन्होंने

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

पंच मूल तत्वों (पृथ्वी, वायु, अग्नि, जल व आकाश) के मिश्रण के रूप में बंद मुट्ठी का ही इशारा करते हैं। कोविड-19 के बाद संक्रमण के भय से न्यू-नॉर्मल के रूप में हाई-फाई के स्थान पर बंद मुट्ठी से ही अभिवादन किया जाता है।

अन्य तथ्य हो कि यदि एक मुट्ठी बंद है और एक खुला हाथ तो सहयोग व सहभागी स्थिति उत्पन्न नहीं हो पाती, दोनों तरफ से समान प्रयास होने पर सहयोग संभव होता है। फिर चाहे दोनों तरफ हाथ खुले हों और या दोनों तरफ बंद मुट्ठियाँ।

मुख्य बल मानव होने के नाते एक सहभागी व सहयोग पूर्ण समाज की स्थापना कर जीवन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

व्यतीत करना है।

हॉलीवुड फिल्म 'इन्टरस्टेलर' का संदर्भ देते हुए इसे निष्कर्षित किया जा सकता है। भविष्य से कुछ लोग अपने पूर्वजों से सहायता प्राप्त करने हेतु वर्तमान में आते है ताकि भावी पीढी का नाश होने से बचाया जा सके। वर्तमान व भावी पीढी के लोग मिल कर भविष्य का संरक्षण करने में सफल हो जाते है।

इसके विपरीत 'डॉंट लुक अप' में आपसी सहयोग व सहभागीता के अभाव मे अंत मे दुनिया के नाश का दृश्य दिखाया। दोनों काल्पनिक स्थितियो से हम इस निष्कर्ष पर पहुँच सकते है कि आपसी संघर्षों ने सदैव सभ्यताओ का नाश किया है। अतः प्रकृति

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

की संधारणीयता एवं समावेशिता को बनाए रखने हेतु पारस्परिक मेल-जोल की आवश्यकता है तभी:

"सर्वे भवन्तु सुखिन, सर्वे सन्तु निरामया सर्वे भद्राणी - - - - - - ."

की संकल्पना पूर्ण हो सकेगी।

Rough work

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

आप बंद मुट्ठी से हाथ नहीं मिला सकते हैं।
(You Cannot shake Hands with a Clenched Fist)

बंद मुट्ठी से → शक्ति का प्रतीक / ४ → व्यक्तिवादी → संकीर्णता → गोपनीयता / सहभागि.

- ऐतिहासिक → वर्तमान → भविष्य
- व्यक्तिगत < सहभागी, वर्तमान डिजिटल यु.., पारिवा..
- सामाजिक → समस्याओं के समाधान (महिला, दिव्यांग, LGBTQ)
- आर्थिक → < संरक्षणवाद
- राजनीतिक →
- पर्यावरणीय → Don't look up, Greta Th..
- वैश्विक → वसुधैव

→ बंद मुट्ठी से क्या अर्थ

→ हाथ क्यों नहीं संभव / मुट्ठी से तनाव की उत्पत्ति / स्थिति → एकपक्षीय / एकतरफा प्रयास → संघर्ष की स्थिति (दृष्टांत)

→ हाथ मिलाने के लिए दोनों पक्षों के खुले हाथ होना आवश्यक → व्यक्तिगत, सामाजिक, ", "
↓ सहभागिता, सहयोग, मेलजोल
→ कौन सी पूर्वानुमान / शर्तें

→ बंद मुट्ठी कैसे खोली जा सकती है? (उपाय)
↓ व्यक्तिगत, सामाजिक प्रयास

→ वर्तमान की समस्याएँ के समाधान
- Covid-19
- चरमवाद → हिंसा < आपात.., मॉलिक..
- धार्मिकउन्माद
- आर्थिक

→ Intro Conclusion → एकता का प्रतीक (बंद मुट्ठी) संगठन में शक्ति
Covid 19 के साथ मुट्ठी बंद हाथ (दोनों)

Exm.:
- ग्रेटा थनबर्ग
- Don't look up
- Tanmeram war
- Tariff war
- Currency war
- ऐतिहासिक घटनाएँ
- धार्मिक उन्माद
- Ramayan
- Mahabharat
- Bhag Geeta
- Gandhi
- Ambe
- Nelson
- Martin Luth
- Linlu
- Lal Bah.

Rough Work

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

जहाँ बल विफल हो जाता है वहाँ विनम्र अनुनय सफल हो जाता है

Main body → दृष्टांत

- व्यक्तिगत → बचपन < परिवार, स्कूल
- सामाजिक → समाज में सामुदायिक भाव
- राजनीतिक → दो देशों के बीच
- आर्थिक → प्रतिबंध, अनुनय
- अन्तर्राष्ट्रीय → अन्तर्रा. संबंध; हिरोशिमा नागासाकी; UN, पीस accord

Future → वर्तमान - हिरोशिमा नागासाकी → ODF
शौच से मुक्त करने के लक्ष्य ... कानूनी प्रावधान, प्रशासनिक बल, के बावजूद लोगों के व्यवहार में ... विनम्र अनुनय के तरीके ने 90% ODF

- बल से क्या तात्पर्य है < मानसिक, शारीरिक
- बल विफल क्यों होता है (कारण) < मानवीय प्रकृति, परिणाम गलत, सहमति नहीं
- विनम्र अनुनय क्या ?
- सफल क्यों होता है (कारण)
- बल का प्रयोग किया जाना उचित ? < हाँ, नहीं
  ↓ सैन्य शक्ति, असामाजिक

क्या सभी परिस्थिति में ऐसा होता है? 20-30%

Conclusion
Covid-19 की समस्या के दौरान ... हेल्पलाइन

दंगे → शांति समझौते
- अजातशत्रु → विवाद समझौते गांधी
- नेल्सन मंडेला
- स्वतंत्रता संग्राम
- धरना / प्रदर्शन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

"जहाँ बल विफल हो जाता है, वहां विनम्र अनुनय सफल हो जाता है।"

2014 के शुरुआती दिनों में 'खुले में शौच करना' एक बड़ी परेशानी थी। 'स्वच्छ भारत मिशन' का लक्ष्य आजादी के 75 वीं वर्षगांठ तक भारत को 'खुले में शौच से मुक्त' करना था। प्रशासनिक एवं कानूनी स्तर पर 'खुले में शौच करने पर' जुर्माने का प्रावधान किया। जुर्माने के बावजूद कोई खासा बदलाव देखने को नहीं मिला। इस रणनीति के विफल होने पर प्रशासकीय कर्मचारी द्वारा विनम्र अनुनय की रणनीति अपनाई। इसमें ढोल-नगाड़ों का प्रयोग, गांव प्रमुखों द्वारा अनुनयन एवं स्टार प्रचारकों की सहायता से लोगों के व्यवहार में परिवर्तन का प्रयास किया गया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

'स्वच्छ भारत मिशन' ने आजादी के 75 वीं वर्षगांठ से पूर्व ही लगभग 90% गांवों को 'ODF' फ्री घोषित किया।

उपर्युक्त संपूर्ण दृष्टांत की सहायता से यह प्रदर्शित किया गया कि, जहाँ बल विफल हो जाता है, वहाँ विनम्र अनुनय सफल हो जाता है।

आगामी खंडों में सर्वप्रथम कुछ और दृष्टांतों की सहायता से व्यक्तिगत, सामाजिक एवं वैश्विक स्तर पर इसे समझने का प्रयास करेंगे। तत्पश्चात हम जानेंगे कि बल से क्या अभिप्राय है? बल आखिर क्यों विफल होता है? विनम्र अनुनय

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

का क्या मतलब है और इसकी सफलता का आँकड़ा ज्यादा क्यों? सभी प्रश्नों का उत्तर देते हुए निबंध को वर्णित किया जाएगा।

सर्वप्रथम व्यक्तिगत स्तर पर देखेंगे कि बल विनम्र - अनुनय का कैसे प्रयोग सफल होता है। बचपन में विद्यालय में मार-पीट कर जबरदस्ती पढ़ने को कहने पर भी बच्चे नहीं पढ़ते, किन्तु यदि उन्हें बाहर घुमाने ले जाने या फोन देने का वायदा कर पढ़ने को कहा जाए तो वह अपनी पढ़ाई कर लेते हैं।

सामाजिक स्तर पर भी इतिहास से लेकर वर्तमान तक कई दृष्टांत देखने को मिले। प्राचीन काल में अजातशत्रु व बिम्बिसार द्वारा बल शक्ति का प्रयोग नहीं काम आने पर कंबोज व कौसल से साथ

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

विवाह इत्यादि की सहायता से सफलता प्राप्त की। वर्तमान में भी दो प्रमुख विपरीत दलों, सम्प्रदायों के मध्य किसी भी प्रकार का संघर्ष होने पर अंततः वार्तालाप/ समझौते द्वारा ही किसी निष्कर्ष पर पहुँचा जाता है।

भू-राजनीतिक व आर्थिक परिदृश्य में देखा जाए तो हमें इसी प्रकार की स्थिति देखने को मिलती है जैसी ऊपर वर्णित की है। 20 वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापान के नागासाकी व हिरोशिमा पर किए गए आक्रमण ने युद्ध को भले ही रोक दिया लेकिन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ भी न लिखें)

इसे अंतिम रूप से सफलता तब प्राप्त हुई जब अमेरिका व जापान को संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा विनम्र अनुनय द्वारा समझौते की टेबल पर लाया गया।

व्यक्तिगत, सामाजिक एवं वैश्विक परिदृश्य के स्तर पर हमने देखा कि बल हमेशा विफल रहा और विनम्र अनुनय की प्रवृत्ति ने सफलता हासिल की। आगामी खंडों में हम देखेंगे कि बल विफल क्यों होता है? और विनम्र अनुनय की सफलता दर अधिक क्यों?

बल की विफलता को वर्णित करने से पहले हम 'बल' क्या है? इसे संक्षिप्त में जानेंगे। बल का सामान्यतः अर्थ है 'शक्ति का प्रयोग करना'। बल को मानसिक व शारीरिक दोनों स्तरों पर शक्ति के प्रयोग के रूप में

लिया जाना चाहिए।

बल के अर्थ को जानने के बाद हम देखेंगे कि बल विफल क्यों होता है? बल का प्रयोग क्यों किया जाता है?

उपर्युक्त प्रश्नों के उत्तर में 'सामाजिक समझौता वादी' सिद्धांत का प्रयोग किया जा सकता है। थॉमस हॉब्स के अनुसार 'मनुष्य मूलतः स्वार्थी है'। अपने अपने हितों की पूर्ति स्वरूप मानवीय सभ्यता ने टकराव देखने को मिला है। जिन सभ्यताओं ने सहिष्णु प्रवृत्ति अपनाई वह सतत बनी रही, अन्यथा नष्ट हो गई।

इसके अतिरिक्त पारिस्थितिजन्य दबाव एवं सामाजिक नियंत्रण के अभाव के कारण बल का प्रयोग किया जाता है जो कि सोचा समझा नहीं होता, इसलिए विफल होता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपर्युक्त वर्णित व्याख्या को एक परिस्थिति द्वारा समझा जा सकता है। जब दो विपरीत वृत्तों में किसी भी प्रकार का संघर्ष एवं व्याघातीय स्थिति आती है तो अभिवृत्ति का संवेगात्मक पक्ष दोनों तरफ ही अत्यन्त मजबूत होता है जो संज्ञानात्मक पक्ष की पूर्णतः अवहेलना कर देता है।

असंज्ञानात्मक व पूर्णतः भाव-आवेश में बल का प्रयोग आपसी सहमति के अभाव व सामने वाले पक्ष के अहित में होता है, इसलिए बल का प्रयोग विफल होता है। स्वतन्त्रता संग्राम के दौरान गाँधीजी द्वारा अहिंसात्मक साधनों का प्रयोग इसलिए किया गया क्योंकि वे जानते थे कि विनम्र-अनुनय सर्वोत्तम साधन है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बल के विफल होने के कारणों को व्याख्यायित करने के बाद हम देखेंगे कि विनम्र अनुनय क्या है? और यह सफल क्यों होता है?

सर्वप्रथम विनम्र अनुनय का अर्थ जानने का प्रयास करते हैं। विनम्र अनुनय एक प्रकार की सकारात्मक धारणा/भाव है। इसकी सहायता से शब्दों एवं कार्य द्वारा सामने वाले पक्ष को किसी बात के लिए मनाना, प्रेरित व प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जाता है। जैसे → अक्षय कुमार द्वारा धूम्रपान नहीं करने का संदेश देकर, अनुनय करना।

विनम्र अनुनय का अर्थ जानने के बाद हम जानेंगे कि क्या वजह है जो बल के स्थान पर विनम्र अनुनय की सफलता की दर अधिक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

पिछली बात को ही आगे बढ़ाते हुए हम निम्न कारणों की सहायता से विनम्र अनुनय की सफलता की वजह जानने का प्रयास करेंगे। सर्वप्रथम बल के प्रयोग में हम दूसरे पक्ष का वस्तुकरण करते हैं। उसे यह महसूस करवाया जाता है कि जो लक्ष्य पूरा करना है उसमें वह एक साधन मात्र है। उदाहरणार्थ -> 'तारे ज़मीन पर' मूवी में बच्चों को डाँट कर जबरदस्ती पढ़ाना, जबकि उसकी असल समस्या कुछ और।

'वस्तुकरण' के अतिरिक्त कई बार साधनों के गलत चयन एवं अपनी बात पहुँचाने के तरीकों के कारण भी बल विफल होता है। जैसे -> दंगों के दौरान भीड़ को तितर-बितर करने के लिए 'आँसू गैस' या 'पानी के गोलों' का प्रयोग करने किया जाता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इसके मूल लक्ष्य व मांगों के लिए विनम्र-अनुनय का ही प्रयोग काम आएगा। विनम्र अनुनय से द्विपक्षीय बातचीत होती है, समझौतावादी दृष्टिकोण एवं प्रजातांत्रिक रवैया होता है। इसलिए विनम्र अनुनय के सफल होने की संभावना ज्यादा होती है।

विनम्र अनुनय के सफल होने के सर्वाधिक प्रमुख कारणों में से है 'किसी भी प्रकार की क्षति नहीं होना।' बल का प्रयोग करने का परिणाम होता है कि एक पक्ष वैचारिक स्तर पर तो दूसरा पक्ष वैचारिक-शारीरिक दोनों स्तर पर क्षतिग्रस्त होता है। पुलिस द्वारा की गई फायरिंग का परिणाम होता है कि पुलिस पक्ष वैचारिक स्तर पर शून्य हो

जाता है और पीड़ित पक्ष प्रतिशोध ग्रस्त होता है।

बल के नकारात्मक पक्ष व विनम्र अनुनय के सकारात्मक पक्ष को जानने के बाद यह प्रश्न उत्पन्न होता है कि क्या बल प्रयोग प्रत्येक परिस्थिति में विफल होता है और विनम्र अनुनय सदैव सफल होता है? या कोई ऐसी स्थिति है जब बल का प्रयोग आवश्यक व सफल हो?

उपर्युक्त प्रश्नों के उत्तर के माध्यम से हम निबंध में अन्तर्निहित छिपे हुए पक्ष का वर्णन करेंगे। सभी परिस्थितियों में बल प्रयोग असफल नहीं माना जा सकता है, न ही विनम्र अनुनय सदैव सफल होता है। देशों की सीमाओं पर सैन्य-शक्तियों द्वारा बल प्रयोग नहीं करने पर एक तरफ के जवान की मृत्यु निश्चित है। राष्ट्रीय अखंडता व

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

एकता की सुरक्षा एवं अहस्तान्तरिक तत्वों से देश की रक्षा करने के लिए यह आवश्यक है कि बल का सीमित रूप में प्रयोग किया जाए।

बल के साथ ही विनम्र अनुनय को सामने वाला पक्ष कई बार मजबूरी का भाव दे देता है। स्वतन्त्रता संघर्ष के द्वितीय चरण में गांधीजी द्वारा संघर्ष की नीति को अपनाते हुए कहते हैं कि स्व के हक के लिए अनुनय व अहिंसक भावों के स्थान पर कुछ समय के लिए हिंसक गतिविधियों का सहारा लिया जा सकता है।

उपर्युक्त पक्ष व विपक्षों को वर्णीत कर हम पुन: उसी चर्चा पर आएंगे कि बल से सर्व-

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

वैश्वानिकता की ओर दुनिया अग्रसर होती है, अतः सार्वभौमिक उपाय के रूप में विनम्र अनुनय का रास्ता सर्वश्रेष्ठ है।

गांधीजी के प्रसिद्ध वाक्यों से निष्कर्ष की सहायता से निबंध समाप्त किया जा सकता है-
"यदि आँख के बदले आँख की चाह रखोगे तो एक दिन पूरा विश्व अंधा हो जाएगा।"

अतः आज के युग में विनम्र अनुनय की उतनी ही प्रासंगिकता है, जितनी पहले थी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)